|| अंतरी पेटवू ज्ञान ज्योत |

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव

भाषा अध्ययन प्रशाला एवं अनुसंधान केन्द्र

हिन्दी विभाग

एम.ए. हिन्दी : परिवर्तित पाठ्यक्रम

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रथम वर्ष प्रारंभ जून २०१६-१७

द्वितीय वर्ष प्रारंभ जून २०१७-१८

पाठ्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएँ :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष रहेगी |
- प्रथम वर्ष (सत्र ०१ और सत्र ०२) के लिए पाठ्यक्रम का प्रारंभ जून २०१६ से तो द्वितीय वर्ष (सत्र ०३ और सत्र ०४) के लिए पाठ्यक्रम का प्रारंभ जून २०१७ से होगा |
- एक प्रश्नपत्र के लिए छ : तासिकाएँ निर्धारित रहेंगी |
- प्रत्येक सत्र में कुल चार प्रश्नपत्र अनिवार्य रहेंगे | जिनमें से प्रथम तीन प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं | शेष चतुर्थ प्रश्नपत्र वैकल्पिक है, जिनमें से किसी एक का चयन छात्रों को करना होगा | छात्रों की उपलब्धता के अनुसार दोनों प्रश्नपत्रों का समांतर अध्यापन किया जा सकेगा |
- सत्र के अंत में प्रत्येक प्रश्नपत्रों की ६० अंकों की वस्तुनिष्ठ (Objective) एवं बहुपर्यायी प्रश्नों की परीक्षा होगी | चालीस (४०) अंक अंतर्गत मूल्यांकन हेतु रहेंगे |
- अतंर्गत मूल्यांकन हेतु निर्धारित चालीस अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा :

  परियोजना परीक्षा (Project Assignment) २० अंक

  अंतर्गत घटक परीक्षा (Internal Test) २० अंक
- प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए परियोजना परीक्षा (Project Assignemnt)अनिवार्य रहेगी | उसके बिना छात्रों को अंतिम परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी | परियोजना के अतर्गत छात्र पाठ्यक्रम से संबंधित विषय पर १०-१५ पृष्ठों का टंकित प्रकल्प प्रस्तुत करेंगे | उसका मूल्यांकन विषय अध्यापक के द्वारा ही किया जाएगा |
- प्रश्नपत्र के गठन (Paper Setting) हेतु विभाग के तथा बाहरी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के अध्यापकों का संयुक्त पॅनल गठित किया जाएगा |
- विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर पाठ्यक्रम/ परीक्षा पध्दति में किए जान`वाले बदलावों के अनुसार पाठ्यक्रम तथा परीक्षा पध्दति में बदलाव किया जाएगा |

एम.ए. हिन्दी : प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रथम सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन १.१ प्राचीन एवं मध्ययुगीन हिन्दी काव्य

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन १.२ भारतीय काव्यशास्त्र तथा आलोचना

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन १.३ भारतीय साहित्य

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : विधा विशेष

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन १.४ (अ) हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रश्नपत्र क्रं-एचआईएन १.४ (आ) यात्रा बृत्तान्त

द्वितीय सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन २.१ विशेष साहित्यकार : प्रेमचंद

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन २.२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन २.३ तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : रोजगाराभिमुख हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन २.४ (अ) प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रं-एचआईएन २.४ (आ) मीडिया लेखन

एम.ए. हिन्दी : द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

तृतीय सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं - एचआईएन - ३.१ आधुनिक हिन्दी काव्य

प्रश्नपत्र क्रं-एचआईएन ३.२ हिन्दी भाषा तथा भाषा विज्ञान

प्रश्नपत्र क्रं- ३एचआईएन ३.३ आधुनिक हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : रोजगाराभिमुख हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ३.४ (अ) अनुवाद विज्ञान

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ३.४ (आ) भाषा और संप्रेषण

चतुर्थ सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ४.१ हिन्दी के महाकाव्य

प्रश्नपत्र क्रं. एचआईएन ४.२ समकालीन साहित्य विमर्श

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ४.३ अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : विधा विशेष

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ४.४ (अ) अनूदित साहित्य

प्रश्नपत्र क्रं-एचआईएन ४.४(आ) लोक साहित्य

एम.ए. हिन्दी : प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं-एच आई एन १.१ प्राचीन एवं मध्ययुगीन हिन्दी काव्य

- **उद्देश्य :**
  - ✓ **प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य का परिचय |**
  - ✓ **प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का विकासात्मक परिचय |**
  - ✓ **प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों का विकासात्मक परिचय |**
  - ✓ **प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कवियों के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान को स्पष्ट करना|**

इकाई - I प्राचीन काव्य : चन्दबरदाई ,विद्यापति ,अमीर खुसरों का स्थुल परिचय |
हिन्दी संत काव्य : प्रमुख निर्गुण संत कवियों का परिचय, संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, समाजिक समरसता में प्रमुख संत कवियों का योगदान |

इकाई - II हिन्दी सूफी काव्य : हिन्दी के प्रमुख सूफी कवियों का सामान्य परिचय, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप , सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ |

इकाई - III हिन्दी कृष्णकाव्य : विविध संप्रदायों का सामान्य परिचय, प्रमुख कृष्णभक्त कवि और उनका काव्य,कृष्ण काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ |

इकाई - IV हिन्दी रामकाव्य : विविध संपद्राय, रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय, रामकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ |

प्रातिनिधिक पाठयपुस्तकें :-

१. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
- **परिशिष्ट -२ कबीर-वाणी : पद क्रं - ०१ से २०**

२. पदमावत - जायसी ग्रंथावली : संपादक रामचन्द्र शुक्ल (प्रकाशन संस्थान, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली)
- **नागमती वियोग खण्ड**

३ सूरदास -भ्रमरगीत सार - संपादक- रामचन्द्र शुक्ल (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
- **पद क्रं- २१ से ४१ तक**

४ रामचरितमानस -गीता प्रेस, गोरखपुर
- **उत्तरकाण्ड**

सहायक संदर्भ ग्रंथों की सुची :

१. पदमावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२.मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य- डॉ.शिवसहाय पाठक

३.जायसी ग्रंथावली (भूमिका)- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

४.गोस्वामी संत तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

५. संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ- डॉ. सुनील कुलकर्णी

६.गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य विश्वनाथ मिश्र

७.तुलसी दर्शन-डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र

८.सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण- डॉ.विश्वनाथ उपाध्याय

९. सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरवंशलाल शर्मा

१०.भ्रमरगीत का काव्यवैभव- डॉ. मनमोहन गौतम

११. कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना- डॉ. सुनील कुलकर्णी

१२. वर्तमान परिवेश में भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता- डॉ. बापूराव देसाई

१३.मध्ययुगीन काव्य के आधारस्तम्भ - डॉ. तेजपाल चौधरी

१४. कबीर एक पुनर्मूल्यांकन-सं. बलदेव वंशी

१५. विद्यापती पदावली-रामवृक्ष बेनीपूरी

१६. विद्यापती -आनंदप्रकाश दीक्षित

१७. मैथिली कोकिल विद्यापती- डॉ. कृष्णदेव धारी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन १.२ भारतीय काव्यशास्त्र तथा आलोचना

उद्देश्य :

- ✓ **भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय |**
- ✓ **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धातों का परिचय |**
- ✓ **हिन्दी आलोचना का सामान्य परिचय |**

इकाई - I रस एवं अलंकार सिद्धांत :

रस का स्वरूप,भरतमुनि के रस निष्पत्ति विषयक सूत्र संबंधी विविध आचार्यों का मत,साधारणीकरण सिद्धांत अलंकार सिद्धांत अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति,परिभाषा,स्वरूप और काव्य में अंलकार का स्थान |

इकाई - II ध्वनि और रीति सिद्धांत : -

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति,अर्थ,परिभाषा,ध्वनि और स्फोट ध्वनि में अंतर और ध्वनि के प्रमुख भेद |रीति शब्द की व्युत्पत्ति अर्थ, परिभाषा, रीति के विविध पर्याय, रीति भेदों के आधार, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली |

इकाई - III वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत :

वक्रोक्ति शब्द की व्युत्पत्ति,अर्थ,परिभाषा,कुतंकपूर्व वक्रोक्ति सिद्धांत , वक्रोक्ति का स्वरूप,वक्रोक्ति के प्रमुख भेद काव्य में वक्रोक्ति का महत्व, औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप और काव्य में औचित्य का स्थान |

इकाई - IV हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना स्वरूप एवं विकास, प्रमुख हिंदी आलोचकों का सामान्य परिचय - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी , आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी , डॉ.नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह आदि |

सहायक संदर्भ ग्रंथों की सूची :

१. काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र

२. रस सिद्धांत : स्वरूप विश्लेषण- डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित

३.भारतीय साहित्य - आचार्य बलदेव उपाध्याय

४. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

५.भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. कृष्णदेव शर्मा

६.रस मीमांसा- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

७.औचित्य विमर्श- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

८. समीक्षा के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड- डॉ. रामसागर त्रिपाठी

९. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. सुरेश अग्रवाल

१०. काव्य समीक्षा के भारतीय मानदण्ड- डॉ. वासंती सालवेकर / डॉ.उर्मिला पाटील

११. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. गोविन्द कुमार टी. बेकरीया.

१२.वक्रोति सिद्धान्त और सूर का काव्य- डॉ. शिवप्रसाद मिश्र

१३.भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. सत्यदेव चौधरी /शांतिस्वरूप गुप्त

१४. उदात्त के विषय में - डॉ. निर्मला जैन

१५. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - डॉ. निर्मला जैन

१६.काव्यार्थ चिन्तन- जी.एस. शिवरुद्रप्पा

१७.वक्रोति सिद्धान्त और सूर का काव्य- डॉ. शिवप्रसाद मिश्र

१८. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डॉ.रामकुमार वर्मा

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन १.३ भारतीय साहित्य

उद्देश्य :

- ✓ **राष्ट्रीयता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य का परिचय |**
- ✓ **भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य का परिचय |**
- ✓ **सांस्कृतिक ,सामाजिक तथा भौगोलिक परिवेश में भारतीय साहित्य का मूल्यांकन |**

इकाई - I भारतीय साहित्य का स्वरूप |

इकाई - II भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब |

इकाई - III भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त जीवनमूल्य एवं वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा |

इकाई - IV भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता |

प्रातिनिधिक पाठ्यपुस्तकें :

- **वर्षा की सुबह (उडियाँ काव्य संकलन) सीताकांत महापात्रा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
- **आकाश और बिल्ली समग्र कहानियाँ -२ (कहानी संकलन) यु.आर अनंतमूर्ति (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**

सहायक संदर्भ ग्रंथ सूची

१. भारतीय साहित्य -डॉ.नगेन्द्र
२. . भारतीय साहित्य -डॉ.रामछबील त्रिपाठी
३. भारतीय साहित्य - डॉ.मूलचंद गौतम
४. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ - डॉ.प्रदीप श्रीधर
५. भारतीय साहित्य कोश चार खण्ड संपादक - सुरेश गौतम/वीणा गौतम
६. भारतीय साहित्य की अवधारणा - डॉ.राजेन्द्र मिश्र
७. भारतीय साहित्य तुलनात्मक अध्ययन- इन्द्रनाथ चौधरी
८. भारतीय दर्शन- डॉ. उमेश मिश्रा
९.भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव- सं.डॉ.नगेन्द्र
१०.भारतीय समाज में नारी- सं. रमा शर्मा / एम. के मिश्रा
११. भारतीय संत परंपरा- बलदेव बंशी
१२.भारतीय साहित्य में धर्म और दर्शन के आयाम- सं. डॉ. सैय्यद मेहरून

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : विधा विशेष

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन १.४ (अ) हिन्दी नाटक एवं एकांकी

उद्देश्य :

- ✓ **हिन्दी नाटक एवं एकांकी विधा का परिचय |**
- ✓ **हिन्दी नाटक एवं एकांकी विधा का सैद्धांतिक विवेचन |**
- ✓ **प्रातिनिधक रूप में एक नाटक और एक एकांकी संकलन का अध्ययन |**
- ✓ **रंगमंचीयता की दृष्टि से हिन्दी नाटक तथा एकांकी का मूल्यांकन |**

इकाई - I हिन्दी नाटक एवं एकांकी विधा का उदभव और विकास , रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप , हिंदी रंगमंच का विकास |

इकाई - II हिन्दी नाटक एवं एकांकी विधा का तात्विक विवेचन :
कथावस्तु, चरित्र -चित्रण ,संवाद, देश काल - वातावरण, भाषाशैली उद्देश्य और प्रासंगिकता |

इकाई - III प्रमुख हिन्दी नाटक एवं एकांकी लेखकों का सामान्य परिचय

इकाई - IV प्रातिनिधिक नाटक एवं एकांकी संकलन :

- **आधे अधूरे - मोहन राकेश (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
- **प्रातिनिधिक महिला एकांकी - डॉ. माधव सोनटक्के (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**

सहायक संदर्भ ग्रथों की सूची : -

१. हिन्दी नाटक (विमर्श के विविध आयाम) ममता धवन - स्वराज प्रकाशन ,नई दिल्ली

२. हिन्दी रंगकर्म दशा और दिशा - डॉ. जयदेव तनेजा - तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली

३. हिन्दी नाटक आज और कल डॉ. जयदेव तनेजा - तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली

४. नये हिन्दी लघु नाटक -नैमिचंद जैन

५. रंग अरंग- हृषीकेश सुलभ

६. हिन्दी नाटक -बच्चनसिंह

७. तुती की आवाज- हृषीकेश सुलभ

८.रंगमंच का जनतंत्र -हृषीकेश सुलभ

९. हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास- डॉ. लक्ष्मीनारयण लाल

१०. हिन्दी नाटक और रंगमंच-पशुपति नाथ उपाध्याय

११. हिन्द काव्य नाटक और बोध- मृगेन्द्र राय

१२. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच- नेमिचंद्र जैन

१३. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच- जयदेव तनेजा

१४. मोहन राकेश और उनके नाटक- गिरिश रस्तोगी

१५. हिन्दी के एब्सर्ड नाटक - डॉ. नानासाहेब गोरे

१६. हिन्दी एकांकी उद्‌भव और विकास - डॉ.रामचरण महेन्द्र

१७. एकांकी और एकांकीकार -डॉ.रामचरण महेन्द्र

१८. हिन्दी एकांकी -सत्येन्द्र

१९. एकांकी और एकांकी - डॉ. सुरेन्द्र यादव

२०. मोहन राकेश और उनके नाटक- गिरीश रस्तोगि

२१. मोहन राकेश रंगशिल्प और प्रदर्शन- जयदेव तनेजा

२२. आधुनिक नाटक का अग्रदुत : मोहन राकेश- गोविन्द चातक

२२. हिन्दी नाटक के पाच दशक- कुसुम खेमानी

२३.हिन्दी एंकाकी -सिध्दनाथ कुमार

२४.रंगप्रक्रिया के विविध आयाम- सं.प्रेमसिंह सूक्ष्मा आर्य

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : विधा विशेष

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन १.४ (आ) यात्रा वृत्तान्त

उद्देश्य :

- ✓ **हिन्दी यात्रा वृत्तान्त विधा से छात्रों को परिचित कराना |**
- ✓ **हिन्दी यात्रा वृत्तान्त विधा का सैद्धांतिक विवेचन |**
- ✓ **यात्रा वृत्तान्त लेखन हेतु प्रेरणा और प्रशिक्षण |**
- ✓ **प्रातिनिधिक रूप में दो यात्रा वृत्तान्तों का अध्ययन |**

इकाई -I हिन्दी यात्रा वृत्तान्त विधा का तात्विक विवेचन

इकाई -II हिन्दी यात्रा वृत्तान्त विधा का उदभव और विकास

इकाई -III यात्रा वृत्तान्त लिखने वाले प्रमुख हिन्दी लेखकों का परिचय -राहुल सांकृत्यायन,निर्मल वर्मा, अज्ञेय, डॉ. नगेन्द्र

इकाई -IV प्रातिनिधिक यात्रा वृत्तान्त :

- **एक बूँद सहसा उछली - अज्ञेय (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)**
- **मै कहती हूँ आखिन देखी -पद्मा सचदेव - (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)**

सहायक संदर्भ ग्रथों की सूची : -

१. अज्ञेय रचनावली खण्ड सात आठ और नवम् - संपादक - कृष्णदत्त पालीवाल

२.हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी

३.यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास- डॉ. सुरेंद्र माथुर

४. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

५. साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय

६. हिन्दी साहित्य की युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार शर्मा

७. हिन्दी साहित्य का अतीत - आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

८. यात्रा साहित्य विधा शास्त्र और इतिहास - डॉ.बापूराव देसाई

९. यशपाल यात्रा साहित्य- डॉ. शंकुतला चव्हाण

१०. हिन्दी यात्रा साहित्य और स्त्री यात्रा साहित्यकार- डॉ. प्रतापपाल शर्मा

द्वितीय सत्र पाठ्यक्रम

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन २.१ विशेष साहित्यकार : प्रेमचंद

उद्देश्य :

- ✓ **प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी और उपन्यासों का अध्ययन |**
- ✓ **युग के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचद के साहित्य का मूल्यांकन करना |**
- ✓ **राष्ट्रीयता एवं स्वाधीनता संग्राम में प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना |**
- ✓ **हिन्दी उर्दू के समन्वय में प्रेमचंद के योगदान को स्पष्ट करना |**

इकाई I राष्ट्रीयता और स्वाधीनता संग्राम में प्रेमचंद का योगदान |

इकाई -II सामाजिक जागरण के कथाकार : प्रेमचंद |

इकाई III प्रेमचंद के कथा साहित्य में पश्चिमी सभ्यता और भारतीय सभ्यता मे द्वंद्व |

इकाई -IV प्रेमचंद के कथा साहित्य में हिन्दी उर्दू का समन्वय |

प्रातिनिधि पाठ्यपुस्तक :

- **प्रेमचंद संचयन : कमल किशोर गोयनका (प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली)**
- **गोदान -प्रेमचंद (उपन्यास) (शिवांक प्रकाशन, नई दिल्ली)**

सहायक ग्रंथ सूची :

१. प्रेमचंद संचयन -कमलकिशोर गोयनका (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)

२. प्रेमचंद मोनोग्राफ - कमल किशोर गयोनका (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)

३. प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन -कमल किशोर गोयनका
(किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली)

४. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान - कमल किशोर गोयनका (यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली)

५. प्रेमचंद प्रातिनिधिक संचयन (साहित्य सस्थांन मंडल, नई दिल्ली)

६. गोदान (प्रथम संस्करण)- कमलकिशोर गोयनका (साहित्य संस्थान मंडल, नई दिल्ली)

७. प्रेमचंद की संपूर्ण दलित कहानियाँ - कमलकिशोर गोयनका (साहित्य संस्थान मंडल, नई दिल्ली)

८.प्रेमचंद के उपन्यासों मे समकालीनता- रजनीकांत जैन

९. प्रेमचंद की विरासत और गोदान- शिवकुमार मिश्र

१०. कहानीकार प्रेमचंद : रचनादृष्टि और रचनाशिल्प- शिवकुमार मिश्र

११. प्रेमचंद के आयाम- ए अरविंदाक्षन

१२. प्रेमचंद एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान

१३.कफन : एक पुन:पाठ- सं. पल्लव

१४. प्रेमचंद : कहानी का रहनुमा- जाफर रज़ा

१५. कथाकार प्रेमचंद - जाफर रज़ा

१५.प्रेमचंद के उपन्यासों में हिन्दू-मुस्लिम एकता- डॉ. अशोककुमार जाधव

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन २.२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र

उद्देश्य :

- ✓ **पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासात्मक परिचय |**
- ✓ **पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय |**
- ✓ **पाश्चात्य काव्य समीक्षा के आधुनातन आयामों को स्पष्ट करना |**
- ✓ **पाश्चात्य काव्य समीक्षकों का सामान्य परिचय |**

इकाई - I प्लेटों और अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धांत, लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत|

इकाई - II क्रोचे का अभिव्यंजनावद, वड्र्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धांत, कालरिज का कल्पना सिद्धांत और फैन्टसी |

इकाई - III आई.ए. रिचर्डस् - मूल्य सिद्धांत तथा काव्य -भाषा सिद्धांत , टी.एस. इलियट - निर्वेयक्तिकता का सिद्धांत तथा वस्तुनिष्ठ सहसंबंधी परंपरा की अवधारणा |

इकाई - IV निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अध्ययन : संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद,आधुनिकता,उत्तर आधुनिकता और विखण्डनवाद |

सहायक ग्रंथों की सूची :

१. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, एवं प्राच्य काव्यशास्त्र- गोपीचंद नारंग

२. अरस्तू का काव्यशास्त्र- डॉ. नगेंन्द्र

३. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- देवेंद्रनाथ शर्मा

४. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. सत्यदेव चौधरी /शांतिस्वरूप गुप्त

५. समीक्षा के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड- डॉ. रामसागर त्रिपाठी

६. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. गोविन्द कुमार टी. बेकरीया.

७. पाश्चात्य साहित्य चिंतन- निर्मला जैन

८. रिचर्डस् के आलोचना सिद्धांत- डॉ. शंभूनाथ झा

१०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. तारका नाथ बाली

११. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्ययशास्त्र - डॉ.रामकुमार वर्मा

१२. पाश्चत्य काव्यशास्त्र- डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त

१३. पाश्चत्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद- डॉ. भगीरथ मिश्र |

अनिवार्य प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं- एचआयएन २.३ तुलनात्मक साहित्य

उद्देश्य :

- ✓ **तुलनात्मक साहित्य से छात्रों को परिचित कराना |**
- ✓ **तुलनात्मक अनुसंधान के महत्व को विशद करना |**
- ✓ **तुलनात्मक साहित्य का सैध्दांतिक स्वरूप स्पष्ट करना |**
- ✓ **मराठी, हिन्दी, गुजराती और कन्नड आदि भाषा साहित्य के विशेष संदर्भ |**

इकाई - I तुलनात्मक साहित्य : स्वरूप और विशेषताएँ |
इकाई II तुलनात्मक साहित्य और सामाजिक संदर्भ |
इकाई III विश्व मानव -चेतना के निर्माण में तुलनात्मक साहित्य की भूमिका तथा तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से वैश्विक संस्कृति स्थापना की संभावनाएँ |
इकाई - IV तुलनात्मक साहित्य अध्ययन में अनुवाद का महत्व , तुलनात्मक अनुसंधान की अवधारणा तथा प्रयोजनशीलता, तुलनात्मक अनुसंधान की संभावनाएँ |

सहायक ग्रंथ सूची :

१. तुलनात्मक साहित्य : विश्व संस्कृति और भाषाएँ -डॉ. के.सितालक्ष्मी- अमन प्रकाशन कानपुर
२. तुलनात्मक अध्ययन संपादक भ.ह. राजूरकर/ राजमल बोरा -वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
३. तुलनात्मक साहित्य - इन्द्रनाथ चौधुरी
४. हिन्दी तथा मराठी व्यंग्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बापूराव देसाई
५. तुलनात्मक अध्ययन: भाषा और साहित्य- राजमल बोरा
६. तुलनात्मक अध्ययन: स्वरूप और समस्याएँ - राजमल बोरा
७. तुलनात्मक अध्ययन भारतीय परिप्रेक्ष्य- इंद्रनाथ चौधरी
८. तुलनात्मक साहित्य विश्वकोश- सं.जी. गोपीनाथ
९. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इंद्रनाथ चौधरी
१०. तुलनात्मक साहित्य : सौद्धांतिक परिप्रेक्ष्य - सं.हनुमानप्रसाद शुक्ल
११. कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील काव्य चेतना- डॉ. सुनील कुलकर्णी
१२. तुलनात्मक साहित्य - सं. डॉ.नगेन्द्र

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : रोजगाराभिमुख हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रं- एचआयएन २.४ (अ) मीडिया लेखन

उद्देश्य :

- ✓ **रोजगार की दृष्टि से मीडिया लेखन का अध्ययन |**
- ✓ **मीडिया लेखन की प्रासंगिकता और महत्व विशद करना |**
- ✓ **ईलेक्ट्रॉनिक तथा सोशल मीडिया का सामान्य परिचय |**

इकाई -I समाचार लेखन : समाचार का अर्थ,समाचार के तत्व,समाचार मूल्य,समाचार के प्रकार, समाचार के स्त्रोत,समाचार -लेखन की आवश्यकता ,समाचार लेखन में आने वाली समस्याएँ |

इकाई -II प्रिंट मीडिया लेखन : संपादकीय,फीचर, वार्ता, विज्ञापन, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा, नाटय समीक्षा, फिल्म समीक्षा, टी.वी.धारावाहिक समीक्षा तथा खेल समीक्षा लेखन की प्रविधि और प्रक्रिया |

इकाई - III ईलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन : रेडियों टी.वी , फिल्म ,विज्ञापन लेखन |

इकाई IV सोशल मीडिया लेखन : ब्लॉग लेखन, ई-मेल लेखन, फेसबुक लेखन, व्हॉटस्अप लेखन, ट्वीटर लेखन, हाईक, इन्स्टाग्रामा आदि |

सहायक संदर्भ सूची :

१. जनसंचार माध्यम में हिन्दी- चन्द्र कुमार

२. रेडियो लेखन- डॉ. राजेन्द्र मिश्र

३. मीडिया लेखन के सिद्धान्त- डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र

४.मीडिया लेखन के सिद्धान्त-डॉ. एन.सी.पंत

५.मीडिया और हिन्दी-डॉ मधु खराटे, डॉ. हनुमंतराव पाटील, राजेन्द्र सोनवणे

६.मीडिया लेखन- सुमित मोहन

७.संचार माध्यम लेखन- गौरीशंकर रैना

८.मीडिया और समाज- संजय गुलाठी

९.मीडिया भाषा और संस्कृति-कमलेश्वर

१०.मीडिया विमर्श- रामशरण जोशी

११.इण्टरव्यू विधा और विविधा- डॉ बापूराव देसाई

१२.मीडिया की आधुनिक चुनौतियाँ- प्रो-मधुसूदन त्रिपाठी

१३ प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन -सं. डॉ. बापूराव देसाई

१४.सृजनात्मक लेखन-हरिश अरोडा

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : रोजगाराभिमूख हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन २.४ (आ) प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य :

- ✓ **प्रयोजनमूलक हिन्दी के सिद्धान्त और प्रविधि का परिचय |**
- ✓ **कार्यालयीन हिन्दी का अनुप्रयोग |**
- ✓ **कार्यालयीन हिन्दी में संगणक की उपयोगिता |**
- ✓ **पारिभाषिक शब्दावली का महत्व एवं उपयोगिता |**

इकाई -I प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं प्रविधि - प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरुप, व्याख्या, विशेषताएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप, सीमा एवं संभावनाएँ |

इकाई -II कार्यालयीन हिन्दी :प्रारूप लेखन, टिप्पण लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, आदेश, परिपत्रक, विज्ञप्ति, रिपोर्टिग, पत्र लेखन : सरकारी और अर्धसरकारी पत्र |

इकाई -III कम्यूटर में हिन्दी : कम्यूटर सामान्य परिचय, कम्यूटर की संरचना, कम्यूटर और भाषा प्रयोग, कम्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग, कम्यूटर का भाषायी प्रयोजन |

इकाई -IV पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द: परिभाषा, पारिभाषिक शब्द की विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्द के प्रकार, हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रवृत्तियाँ, पारिभाषिक शब्दों की रचना, पारिभाषिक शब्द सूची |

सहायक संदर्भ सूची :

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. विनोद गोदरे

२. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद - डॉ. राम गोपालसिंह जादौन

३. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख

४.प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोनटक्के

५.प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह

६. .प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे

७.प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दक्षा निमावत

८. .प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिन्दी- ओमप्रकाश सिंहल

९. .प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा व्यवहारिक हिन्दी- डॉ. सुकुमार भंडारे

१०. .प्रयोजनमूलक हिन्दी- विशाल शर्मा

११. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा पत्रलेखन - डॉ.बापूराव देसाई

१२.प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. उर्मिला पाटील

१३. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.तेजपाल चौधरी

१४. सृजनात्मक लेखन- हरिश अरोडा

तृतीय सत्र : पाठ्यक्रम की रूपरेखा

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं - एच आई एन - ३.१ आधुनिक हिन्दी काव्य

उद्देश्य :

- ✓ **आधुनिक हिन्दी काव्य का सामान्य परिचय**
- ✓ **भारतेन्दु तथा व्दिवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ**
- ✓ **छायावादी और प्रगतिवादी काव्य की प्रवृत्तियाँ**
- ✓ **गीतिकाव्य तथा नवगीतों का परिचय**

इकाई -I आधुनिक हिन्दी काव्य उद्‌भव और विकास, आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ, आधुनिक हिन्दी के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय |

इकाई -II : हिन्दी ग़ज़ल - अर्थ, परिभाषा और स्वरूप | हिन्दी ग़ज़ल की विकास परंपरा | हिन्दी ग़ज़ल के विविध अंगों का परिचय |

इकाई -III : आधुनिक हिन्दी काव्य प्रातिनिधिक काव्य संकलन

- **आधुनिक भारतीय कविता संचयन -हिन्दी - डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) (चयनित कविताएँ)**

इकाई -IV : हिन्दी ग़ज़ल प्रातिनिधिक संकलन :

- **हिन्दी ग़ज़ल का वर्तमान दशक- सं. सरदार मुजावर (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)**
  चयनित ग़ज़लकार और उनकी ग़ज़ले-
  `गोपालदास निरज` - ज़िन्दगी की राहों में, छोड़ जाएँगी ये आँगन बेटियाँ,
  `चंद्रसेन विराट` - बुद्धि तो मिलती यहाँ, हिंस्त्र पशु से क्या इतर है
  `रामकुमार कृषक - हम नहीं खाते हमें बाज़ार खाता है, ये दिल कहाँ धड़कन कहाँ मत पूछिए
  `सूर्यभानु गुप्त` - क़ैद इतने बरस रहा है खून, पूछो न यूँ कटा है हर सुबहों-शाम जंगल
  `सविता चड्‌ढा- बहारों की कलम से ज़िन्दगी का गीत लिखती हूँ, दीया ये आस का हमकों जलाए रखना है
  `रोहिताश्व अस्थाना`- तुम रेशम रेशम लगती हों, उनके हाथों में आज ताकत है
  `हस्तीमल हस्ती`- चाहता है देखना वों मुश्किलों में भी मुझे, इन अँधेरों को भी
  `देवमणि पांडेय`- कितना भी मुश्किल हो लेकिन, यह चाह कब थी मुझे

सहायक संदर्भ सूची :

१. समकालीन हिन्दी कविता- परमानंद श्रीवास्तव

२. हिन्दी काव्य में सांस्कृतिक चेतना- प्रा. मीना.एस पटेल

३. कवि नरेश मेहता संवेदना और अभिव्यक्ति- डॉ.भरत सुथार

४.आधुनिक कविता का पुर्नपठन- डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय

५. हिन्दी काव्य का सामाजशास्त्र- डॉ. विश्वम्भर दयाल गुप्ता

६. छायावादोत्तर हिन्दी कविता में ग्राम्यबोध- डौ सरोजा वर्मा

७. महाप्राण निराला -डॉ. लक्ष्मण प्रसाद

८ प्रतिनिधिक कविताएँ - महादेवी वर्मा

९. तार सप्तक -अज्ञेय

१०.आधुनिक काव्यधारा -सं. डॉ. हरिचरण शर्मा

११. हिन्दी ग़ज़ल उद्‌भव और विकास - डॉ.रोहिताश्य अस्थाना

१२. हिन्दी ग़ज़ल संदर्भ और सार्थकता -डॉ वेदप्रकाश अमिताभ

१३. हिन्दी ग़ज़ल का व्याकरण -डॉ.गिरीराजशरण अग्रवाल

१४. साठोत्तरी हिन्दी ग़ज़ल में डॉ.गिरीराजशरण अग्रवाल का योगदान -डॉ.अनिलकुमार शर्मा

१५. अज्ञेय एवं मुक्तिबोध-डॉ. ललिता राठोड

१६.नई कविता के प्रतिमान- लक्ष्मीकांत वर्मा

१७. कामायनी लोचन चिंता से ईषा (भाग एक और दो)- डॉ.उदयभानु सिंह

१८. प्रसाद का काव्य -प्रेमशंकर

१९.अज्ञेय और आधुनिकता रचना की समस्या- डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

२०.समकालीन प्रतिनिधिक कवि- अनन्त कीर्ति तिवारी

२१.रामचरित मानस और कामायनी- मटुकनाथ चौधर

२२.हिन्दी ग़ज़ल दुष्यंत के बाद- ज्ञानप्रकाश विवेक

२३.हिन्दी ग़ज़ल की विकास यात्रा- ज्ञानप्रकाश विवेक

२४.समकालीन हिन्दी ग़ज़ल पहचान और परख- डॉ.सायमों बाना

२५.भूमण्डलीकरण और समकालीन हिन्दी कविता- डॉ. श्यामबाबु शर्मा

२६.हिन्दी ग़ज़ल की विकास यात्रा- डॉ.नमिता सिंह

अनिवार्य प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं-एचआईएन ३.२ हिन्दी भाषा भाषा विज्ञान तथा

उद्देश्य :

- ✓ **भाषा विज्ञान का सैद्धांतिक विवेचन |**
- ✓ **भाषा विज्ञान के विविध अंगों का सामान्य परिचय |**
- ✓ **व्यतिरेकी भाषाविज्ञान और अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान का विशेष अध्ययन |**
- ✓ **हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास का सामान्य परिचय |**

इकाई -I हिन्दी भाषा : हिन्दी भाषा का विकास,हिन्दी शब्द रचना, हिन्दी रूप रचना, हिन्दी भाषा का शब्द भंडार, हिन्दी भाषा के विविध रूप, देवनागरी लिपि,हिन्दी भाषा का मानकीकरण |

इकाई -II भाषा विज्ञान स्वरुप और व्याप्ति : नामकरण, परिभाषा, अध्ययन क्षेत्र , स्वनविज्ञान , रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान, प्रोक्ति विज्ञान, शब्दविज्ञान का संक्षिप्त परिचय |

इकाई - III शैली विज्ञान, कोश विज्ञान और मनोभाषा विज्ञान का सामान्य परिचय |

इकाई -IV व्यतिरेकी भाषा विज्ञान : संकल्पना, उदय एवं विकास,भाषा विज्ञान में व्यतिरेकी भाषा विज्ञान का स्थान, व्यतिरेकी भाषा विज्ञान सैद्धांतिक और अनुप्रायोगिक अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : संकल्पना, क्षेत्र, भाषा शिक्षण और अनुवाद विज्ञान |

सहायक संदर्भ सूची :

१. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी

३ भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी

४.भाषा विज्ञान- डॉ. रामस्वरूप खरे

५.भाषिक हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख

६.भाषा विज्ञान- डॉ. डी. एम. दोमडिया

७. हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी

८. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख

९. भाषा विज्ञान एक अध्ययन- गरिमा श्रीवास्तव

१०.भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा- डॉ. सुरेश सिंहल

११. भाषा विज्ञान का रसायन- कैलाशनाथ पाण्डेय

१२.भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि-रामकिशोर शर्मा

१३. भाषा चिन्तन के नये आयाम -रामकिशोर शर्मा

१४.आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त- -रामकिशोर शर्मा

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन ३.३ आधुनिक हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास

उद्देश्य :

- ✓ आधुनिक काल के प्रमुख काव्य प्रकारों की प्रवृत्तियों का विश्लेषण |
- ✓ आधुनिक काल के कथा साहित्य तथा कथेत्तर साहित्य का विकासात्मक परिचय |
- ✓ विमर्शमूलक साहित्य तथा प्रवासी साहित्य का अध्ययन |

इकाई -I आधुनिक काल :

काव्य विधा का विकासात्मक परिचय : भारतेन्दु युगीन काव्य प्रवृत्तियाँ , द्विवेदी युगीन काव्य प्रवृत्तियाँ, छायावादी काव्य प्रवृत्तियाँ ,हालावादी काव्य प्रवृत्तियाँ , प्रगतिवादी काव्य प्रवृत्तियाँ , राष्ट्रीय काव्य प्रवृत्तियाँ , प्रयोगवादी काव्य प्रवृत्तियाँ,नई कविता की प्रवृत्तियाँ ,समकालीन कविता और गीतिकाव्य की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों का अध्ययन |

इकाई - II आधुनिक कालीन गद्य साहित्य का प्रवृत्यात्मक परिचय :

उपन्यास साहित्य का प्रवृत्यात्मक परिचय ,कहानी साहित्य का प्रवृत्यात्मक परिचय ,नाटक साहित्य का प्रवृत्यात्मक परिचय, गीतिनाटय का प्रवृत्यात्मक परिचय , एकांकी साहित्य का प्रवृत्यात्मक परिचय आदि |

इकाई -III कथेत्तर गद्य विधाओं का प्रवृत्यात्मक परिचय :

निबंध विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय, जीवनी विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय , आत्मकथा विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय ,संस्मरण विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय ,रेखाचित्र विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय, यात्रा वृत्तान्त विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय, आलोचना विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय |

इकाई IV अन्य विधा का प्रवृत्यात्मक परिचय :

रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, व्यंग्य ,ब्लॉग लेखन, प्रवासी साहित्य का प्रवृत्यात्मक परिचय |

सहायक संदर्भ सूची :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

३.आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

४. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आलोक कुमार शुक्ल

५. हिन्दी साहित्य का अतित - आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

६. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल

७.साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय

८.आज का हिन्दी उपन्यास- डॉ. इन्द्रनाथ मदान

९. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

१०.समकालीन हिदी कहानी- डॉ. विनय

११.इक्कीसवीं सदीं का हिन्दी साहित्य समय, समाज और संवेदना - रवीन्द्रनाथ मिश्र

१२. हिन्दी के प्रातिनिधिक निबंधकार- डॉ. हरिमोहन

१३ हिन्दी साहित्य की युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार शर्मा

१४. आधुनिक हिन्दी निबंध- डॉ बापूराव देसाई

१५.हिन्दी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह

१६.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. बापूराव देसाई

१७.बीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य-सं.डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

१८.अरुण कमल की कविता जनवादी पक्ष- डॉ. संजय रणखांबे

वैकल्पिक प्रश्नपत्र :

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन ३.४ (अ) अनुवाद विज्ञान

उद्देश्य :

- ✓ **अनुवाद का उद्‌भव,विकास एवं अनुवाद की चिंतन परंपरा पर एक दृष्टिक्षेप |**
- ✓ **अनुवाद का सैद्धांतिक विवेचन |**
- ✓ **अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि का परिचय |**
- ✓ **मशीनी/कार्यालयी अनुवाद के कुछ वाक्यांशों का प्रात्याक्षिक |**

इकाई -I अनुवाद का उद्‌भव,विकास एवं अनुवाद की चिंतन परंपरा |

इकाई -II अनुवाद का अर्थ परिभाषाएँ, अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद के क्षेत्र एवं अनुवाद की सीमाएँ, अनुवाद की शैलियाँ और अनुवादक के गुण |

इकाई -III अनुवाद के प्रकार ,अनुवाद की प्रक्रिया,प्रविधि एवं सिद्धांत, अनुवाद की सार्थकता, अनुवाद की प्रासंगिकता और महत्व |

इकाई -IV मशीनी/कम्प्युटर अनुवाद एवं भाषा प्रौद्योगिकी ,कामकाजी अथवा कार्यालयी अनुवाद के कुछ वाक्यांश ,मराठी तथा अंग्रेजी परिच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद |

सहायक संदर्भ सूची :

१. अनुवाद के विविध परिप्रेक्ष्य- डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन

२. अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ- डॉ. गिरीश सोंलकी

३. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त एवं प्रविधि- भोलानाथ तिवारी

४.अनुवाद विज्ञान स्वरूप और समस्याएँ - डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन

५.अनुवाद अनुभूति और अनुभव- डॉ. सुरेश सिंहल

६. अनुवाद और उत्तर आधुनिक अवधारणाएँ- श्रीनारायण समीर

७.अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श - श्रीनारायण समीर

८.अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ - श्रीनारायण समीर

९. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग- जी. गोपीनाथन्

१०. अनुवाद की समस्याएँ - जी. गोपीनाथन्

११.अनुवाद कला : कुछ विचार- आनंद प्रकाश खेमानी

१२. अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार- एस. के. शर्मा

१३ काव्यानुवाद की समस्याएँ- महेंन्द्र चतुवेर्दी, डॉ. ओमप्रकाश गागा

१४.अनुवाद निरुपण- डॉ. भारती गोरे

१५.विशेषकृत भाषा और अनुवाद- गोपाल शर्मा

१६. अनुवाद का समाजशास्त्र- डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन ३.४ (आ) भाषा और संप्रेषण

उद्देश्य :

- ✓ **संप्रेषण की कला का महत्व प्रतिपादित करना |**
- ✓ **संप्रेषण में भाषा के महत्व को विशद करना |**
- ✓ **संप्रेषण के मौखिक और लिखित प्रकारों को समझाना |**

इकाई -I हिन्दी का भाषिक स्वरूप , हिन्दी भाषा के विविध रूप, भाषा और भाषिक संरचना तथा भाषा का सामाजिक संदर्भ |

इकाई -II भाषा और संप्रेषण : संप्रेषण का अर्थ, संपेषण का प्रयोजन,संप्रेषण की प्रक्रिया, संप्रेषण के प्रकार , उच्चारित और लिखित भाषा,भाषा के प्रकार्य,आंगिक भाषा और संप्रेषण, संप्रेषण के विविध रूप और भाषिक कला |

इकाई -III भाषा और मौखिक संप्रेषण : मौखिक संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण, मौखिक संप्रेषण के विविध प्रकार - बातचीत, संवाद, बैठकें, सम्मेलन, सभाएँ, साक्षात्कार, व्याख्यान, उद्घोषणा, रेडियो वार्ताएँ , टेलीफोन या भ्रमणध्वनि पर बातचीत,कहानी कथन,पौराणिक आख्यानों का प्रस्तुतीकरण, वाद-विवाद या वक्तृत्व, प्रतियोगिताएँ, अदालती मुकदमें और संसदीय बहस आदि का परिचय |

इकाई -IV भाषा और लिखित संप्रेषण : पत्र उसके विविध रूप, रिपोर्ट , कार्यवृत्त, तार, टेलेक्स, फॅक्स, बँकनेट, नियम विनियम, प्रेस विज्ञप्ति नोट, संविदा, करार , सूचनाएँ, फार्म, नोट या टिप्पण, प्रचार सामग्री , प्रबंधकीय सूचना तथा ईमेल, ब्लॉग लेखन, फेसबुक लेखन आदि प्रकारों का विस्तृत परिचय |

सहायक संदर्भ सूची :

१. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषिकी हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण -डॉ.अम्बादास देशमुख

३. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह

४. व्यवसायिक संप्रेषण -डॉ.अनूपचन्द्र पु.भायाणी

५. हिन्दी भाषा -डॉ.हरदेव बहारी

६. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ.भोलानाथ तिवारी

७. मानक हिन्दी का शुध्दिपरक व्याकरण - रमेश मेहरोत्रा

८. व्यवहारिक हिन्दी पत्राचार -दंगल झाल्टे

९. मानक हिन्दी स्वरूप और संरचना - डॉ. रामप्रकाश

१०. परिष्कृत हिन्दी व्याकरण - बद्रीनाथ कपुर

११. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन - डॉ.बापूराव देसाई

१२.सृजनात्मक लेखन-हरिश आरोडा

चतुर्थ सत्र पाठ्यक्रम

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ४.१ हिन्दी के महाकाव्य

उद्देश्य :

- ✓ **महाकाव्य विधा का सामान्य परिचय |**
- ✓ **आधुनिक कालीन हिन्दी महाकाव्यों विधा का स्वरूपगत और प्रवृत्तिगत ज्ञान |**
- ✓ **हिन्दी महाकाव्य लेखन की परंपरा का ज्ञान |**
- ✓ **प्रमुख हिन्दी महाकाव्य कवियों का सामान्य परिचय |**

इकाई -I महाकाव्य विधा का स्वरूप तथा महात्म्य |

इकाई -II महाकाव्य विधा के प्रमुख तत्व |

इकाई -III हिन्दी महाकाव्य विधा की विकास परंपरा |

इकाई -IV प्रमुख हिन्दी महाकाव्यों के कवियों का सामान्य परिचय |

प्रातिनिधिक पाठ्यपुस्तकें :

- **कामायनी - जयशंकर प्रसाद केवल श्रध्दा और लज्जा सर्ग (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
- **उर्वशी - डॉ.रामधारीसिंह दिनकर (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**

सहायक संदर्भ सूची :

१. कामायनी विमर्श -हरिचरण शर्मा

२. कामायनी महाभाष्य - डॉ.युगेश्वर

३. आधुनिक प्रबंधकाव्य संवेदना के धरातल -डॉ.विनोद गोदरे

४.कामायनी -जयशंकर प्रसाद

५. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता- प्रभाकर श्रोत्रिय

६. कामायनी हिन्दी महाकाव्याचे मराठी भाषांतर- श्री.विश्वनाथ विठ्ठल पटवर्धन

७. कामायनी की टीका-विश्वभंर मानव

८.कामायनी लोचन चिंता से ईर्ष्या- डॉ. उदयभानु सिंह

९. प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर

१०. प्रसाद की काव्यभाषा - भाषारचना - आनंद गोड

११. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि- नंदकिशोर नवल

१२. दिनकर :सृजन और चिंतन- डॉ. रेणु व्यास

१३.प्रसादोत्तर कालीन नाटक- भूपेन्द्र कलसी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं. एचआईएन ४.२ समकालीन साहित्य विमर्श

उद्देश्य :

- ✓ **समकालीन साहित्य विमर्श में दलित विमर्श का सैद्धांतिक परिचय |**
- ✓ **समकालीन साहित्य विमर्श में आदिवासी विमर्श का सैद्धांतिक परिचय |**
- ✓ **दलित विमर्श के प्रातिनिधिक कहानी संकलन का अध्ययन |**
- ✓ **आदिवासी विमर्श के प्रातिनिधिक नाटक का विवेचन एवं विश्लेषण |**

इकाई -I दलित विमर्श : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, दलित विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि, दलित विमर्श की मूल प्रवृत्तियाँ, हिन्दी दलित साहित्य का विकासात्मक परिचय,हिन्दी दलित साहित्य प्रेरणा और प्रभाव |

इकाई -II आदिवासी विमर्श : अर्थ ,परिभाषा और स्वरूप, आदिवासी समाज की प्रमुख विशेषताएँ ,

आदिवासी समाज समस्याएँ ,विकास और प्रश्न, हिन्दी साहित्य में आदिवासी संस्कृति का चित्रण |

इकाई -III दलित विमर्श की प्रातिनिधिक रचना :

- **दलित कहानी संचयन - चयन एवं सम्पादन रमणिका गुप्ता (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) संकलित कहानियाँ - ओमप्रकाश वाल्मीकि -पच्चीस चौका डेढ़ सौ , मोहनदास नैमिशराय - अपना गाँव, जयप्रकाश कर्दम -नो बार, सुशीला टाकभौरे -सिलिया, श्यौराज सिंह बेचैन - अस्थियों के अक्षर, प्रल्हाद चंद्र दास- लटकी हुई शर्त, रत्न कुमार सांभरिया - फुलवा, कावेरी- सुमंगली , सी.बी. भारती - भूख,दयानन्द बटोही -सुरंग आदि कहानियों का विवेचन |**

इकाई -IV आदिवासी विमर्श की प्रातिनिधिक रचना :

- **धरती आबा (नाटक) - हृषीकेश सुलभ (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**

सहायक संदर्भ सूची :

१. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास -चार खण्ड - मोहनदास नैमिशराय

२. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष और यथार्थ - ओमप्रकाश वाल्मीकि

३. दलित साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास- डॉ. बापूराव देसाई

४.दलित साहित्य स्वरूप और संवदेनाएँ - डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे

५. समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श- सं. डॉ.शिवाजी देवरे

६. भारतीय दलित साहित्य - संपादन शरणकुमार लिंबाले

७. मुख्यधारा और दलित साहित्य -ओमप्रकाश वाल्मीकि

८. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

९. दलित विमर्श की भूमिका -सं.कंवल भारती

१०.इक्कीसवीं सदी में दलित चिंतन - डॉ. जयप्रकाश कर्दम

११. दलित साहित्य एक मूल्यांकन - प्रो चमनलाल

१२. आदिवासी साहित्य यात्रा - रमणिका गुप्ता

१३. उत्तर औपनिवोशीकता के स्त्रोत और हिन्दी साहित्य-प्रणय कृष्ण

१४.हिन्दी साहित्य : नव विमर्श- डॉ.पंड्या

१५. समकालीन साहित्य विमर्श- डॉ. सुनील कुलकर्णी

१६.आदिवासी विमर्श केन्द्रीत हिन्दी साहित्य-सं. डॉ. उषाकीर्ति राणावत

१७.मुंडा गीतों में बासुरी की धुन- विजय शर्मा

१८. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी- सं. रमणिका गुप्ता

१९. आदिवासी लोक भाग-१ और २ - सं. रमणिका गुप्ता

२०. दलित समस्या की राजनीति-ब्रजकुमार पाण्डेय

२१. हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श- डॉ. पं.बन्ने

२२. दलित दर्शन - रमणिका गुप्ता /ज्ञान सिंह बल

२३. दलित विमर्श -डॉ.धीरज भाई वणकर

२४.आदिवासी साहित्य विधा शास्त्र और इतिहास- डॉ. बापूराव देसाई

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ४.३ अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया

उद्देश्य :

- ✓ **अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया का अध्ययन |**
- ✓ **अनुसंधान के विविध प्रकारों का अध्ययन |**
- ✓ **अनुसंधान के सोपानों का क्रमश: विवेचन |**

इकाई -I अनुसंधान अर्थ और स्वरूप :

अनुसंधान की परिभाषा, अर्थ और स्वरूप, मानव जीवन में शोध अनुसंधान का स्थान, आरंभिक और वर्तमानकालीन अनुसंधान की उपादेयता |

इकाई -II अनुसंधान के प्रकार :

विषयानुसार अनुसंधान के प्रकार, कार्य प्रणाली के अनुसार अनुसंधान के भेद, वस्तु तथ्यात्मक अनुसंधान, भावानुसंधान, भाषानुसंधान, पाठानुसंधान, ऐतिहासिक अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान की उपयोगिता |

इकाई -III अनुसंधान के सोपान : विषय चयन,सामग्री संकलन, रूपरेखा निर्माण,शोध प्रबंध का लेखन,संदर्भ लेखन की अत्याधुनिक प्रणालियाँ,संदर्भ ग्रंथ सूची का लेखन तथा अंतिम प्रारूप एवं टंकन |

इकाई -IV पाठालोचन के मुख्य सिध्दांत, अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, समकालीन साहित्य अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पध्दतियों का प्रयोग, साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय पध्दतियों का प्रयोग,अनुसंधान में संगणक तथा इंटरनेट का महत्व |

सहायक संदर्भ सूची :

१. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि- बैजनाथ सिंहल

२. शोध के नए आयाम- डॉ. बी. के. कलासवा

३. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया- एस-एन.गणेशन्

४. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. राजेन्द्र मिश्रा

५. शोध प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. हरीश अरोड़ा

६. शोध प्रक्रिया- डॉ. सरनाम सिंह शर्मा

७. अनुसंधान विधि - डॉ. गोविन्दकुमार टी. वेकरीया

८. शोध प्रविधि - डॉ. नियमोहन शर्मा

९.अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया- डॉ. अर्जुन तडवी

१०. हिन्दी अनुसंधान: वैज्ञानिक पद्धतियाँ- डॉ. कैलाशनाथ मिश्र

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : विधा विशेष

प्रश्नपत्र क्रं- एचआईएन ४.१ (अ) अनूदित साहित्य

उद्देश्य :

- ✓ हिन्दी मराठी साहित्य का अन्त : संबंध स्पष्ट करना |
- ✓ हिन्दी तथा मराठी साहित्य में स्थित साम्य भेदों का विवेचन |
- ✓ मराठी से हिन्दी में अनूदित साहित्य का विकासात्मक परिचय |

इकाई -I मराठी हिन्दी अन्त: संबंध : उद्‌गम एवं विकास की दृष्टि से तथा साहित्यिक परंपरा की दृष्टि से अध्ययन |

इकाई -II मराठी से हिन्दी में अनूदित साहित्य : उपन्यास साहित्य,कहानी साहित्य, नाटक साहित्य, और कविता |

इकाई -III मराठी हिन्दी अन्त: संबंध : प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक |

इकाई -IV मराठी हिन्दी अन्त: संबंध : स्थिति और संभावनाएँ |

प्रातिनिधिक पाठ्यपुस्तकें :

- **अपने होने पर (अनूदित काव्य संकलन) विंदा करंदीकर अनुवाद संकलन श्रीमती पुष्पा भारती (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)(चयनित कविताएँ)**
- **बारोमास - (उपन्यास) श्री. सदानंद देशमुख, अनुवाद डॉ. दामोधर खडसे**

सहायक संदर्भ सूची :

१. हिन्दी में अनुवादी मराठी दलित आत्मकथा- डॉ. गोरख काकडे

२. हिन्दी और मराठी का श्रृंगारकाल- डॉ. इंद्र पवार

३. हिन्दी और मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ-मिर्जा असदबेग रूस्तुम बेग

४.प्रादेशिक भाषा और साहित्य इतिहास- डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे

५.हिन्दी तथा मराठी उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन- शांतिस्वरूप गुप्त

६.भारतीय साहित्य- डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह

७.आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास- डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे

८.अनुवाद समस्याएँ और संदर्भ-सं. बलवंत जेडस्कर

९. प्रेमचंद और हरिनारायण आपटे के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. कुमारी प्रमिला गुप्त

१०. प्रादेशिक भाषा साहित्य :मराठी पहचान और परख- गुलाबराव हाडे

११.हिन्दी और मराठी दलित साहित्य: एक मूल्याकंन - सुनीता साखरे

१२. हिन्दी साहित्य में दलित अस्मिता- स्नेही कालिचरण

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : विधा विशेष

प्रश्नपत्र क्रं- एच आई एन ४.१ (आ) लोक साहित्य

उद्देश्य :

- ✓ **लोक साहित्य के स्वरूप और संकल्पना को स्पष्ट करना |**
- ✓ **लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा और प्रकीर्ण साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन |**
- ✓ **लोकोक्तियाँ, मुहावरें, कहावतें आदि का भाषिक सौंदर्य विशद करना |**
- ✓ **लोक साहित्य का महत्व और उपादेयता को स्पष्ट करना |**

इकाई -I लोक साहित्य : संकल्पना और स्वरूप : लोक शब्द का अर्थ एवं परिभाषा और स्वरूप, लोक साहित्य की परंपरा, लोक साहित्य का वर्गीकरण तथा लोक साहित्य की विशेषताएँ |

इकाई -II लोकगीत : संकल्पना और स्वरूप : लोकगीत परिभाषा और स्वरूप ,लोकगीतों की विशेषताएँ, लोकगीत और साहित्यिक गीत तथा लोकगीतों का वर्गीकरण |

इकाई -III लोक कथा एवं लोक गाथा : स्वरूप और परिभाषा,प्रमुख स्त्रोत,वर्गीकरण,विशेषताएँ,लोककथा के तत्व,लोककथा का व्युत्पत्ति विषयक सिद्धांत |

इकाई -IV प्रकीर्ण साहित्य : पहेलियाँ, लोकोक्तियाँ, मुहावरें, कहावतें, टोना-टोटका-मंत्र, और चुटकुलें आदि का विश्लेषण |

सहायक संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. लोक साहित्य शास्त्र (अहिराणी के परिप्रेक्ष्य में)-डॉ. बापूराव देसाई

२. मावची लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. बापूराव देसाई

३. पच्चीस लोक बोलियों का शास्त्र और संस्कृति- डॉ. बापूराव देसाई

४.लोक साहित्य के प्रतिमान- डॉ.कुंदनलाल उप्रेति

५. लोक साहित्य के मूल स्त्रोत - डॉ. उर्मिला पाटील

६. लोक साहित्य का अध्ययन- डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

७. महाराष्ट्र का हिन्दी लोक काव्य -डॉ.कृष्ण दिवाकर

८.लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ.कुलदीप

९. हिन्दी लोक साहित्य शास्त्र, सिद्धांत और विकास - डॉ.अनुसया अग्रवाल

१०. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ.विद्या चौहान

११.लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा

१२. लोककथा विज्ञान- श्रीचन्द्र जैन

१३. लोक साहित्य शास्त्र -डॉ.नंदलाल कल्ला

१४.भारतीय लोक साहिय की रूपरेखा -दुर्गा भागवत अनु.स्वर्णकांता

१५. भारतीय लोक साहित्य - डॉ.श्याम परमार

१६. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय

१७. लोक साहित्य सिद्धंत और प्रयोग- डॉ. श्रीराम शर्मा

पाठ्यक्रम निर्धारण समिति

डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी	डॉ. बापूराव देसाई	डॉ. शिवाजी देवरे
(अध्यक्ष, हिंदी विभाग)	(मा.कुलपति व्दारा नियुक्त विशेषज्ञ)	(मा.कुलपति व्दारा नियुक्त विशेषज्ञ)

प्रा. म.सु.पगारे

संचालक, भाषा अध्ययन प्रशाला एवं अनुसंधान केन्द्र